जनपद टिहरी गढ़वाल में जयद्वार–तियाड़ा–फलपट्टी मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. अस्थाई खण्ड लोक निर्माण विभाग थत्यूड़ के अन्तर्गत 12.00 कि0मी0 लम्बाई में जयद्वार–तियाड़ा–फलपट्टी मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड लोक निर्माण विभाग थत्यूड़ को अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा दिनांक 22.11.2017 का सम्बंधित अपर सहायक अभियन्ता श्री अमर सिंह के साथ निरीक्षण किया गया है।
2. राज्य योजना में विधान सभा क्षेत्र धनोल्टी के अन्तर्गत जयद्वार–तियाड़ा–फलपट्टी मोटर मार्ग का प्रथम चरण का निर्माण कार्य स्वीकृत हैं। स्थानीय ग्रामवासियों से प्राप्त सहमति एवं तकनीकी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0, थत्यूड़ के द्वारा मार्ग के निर्माण हेतु एक ही समरेखन प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तावित समरेखन मसोन–कांडी–द्वारगढ मार्ग के किलोमीटर 9 में जयद्वार मल्ला गांव के पास से हिलसाइड में आरम्भ होता है। इस मार्ग के निर्माण से जयद्वार गांव, फलपट्टी एवं भद्राज मंदिर को यातायात सुलभ हो सकेगा। निरीक्षण के समय अवगत कराया गया कि समरेखन लगभग पूर्ण लम्बाई में नाप भूमि एवं सिविल सोयम भूमि से होकर गुजरता हैं। समरेखन में कुल 13 हेयरपिन बैंड्स दिये गये है। मार्ग के निर्माण हेतु किसी सेतु की आवश्यकता नहीं है। इस क्षेत्र में चांदपुर फार्मेशन की मुख्यतः स्लेट, फिलाइट तथा सिल्टस्टोन चट्टान है। नाप भूमि में मिट्टी/डेब्री का ओवरबर्डन है। नाप भूमि में ढलान सामान्यतः 20^0 से 40^0 के मध्य है, जबकि सिविल भूमि में एवं चट्टानी भाग में ढलान 50^0 तक प्रतीत होता है। स्थल निरीक्षण के समय समरेखन क्षेत्र में कोई अस्थिरता संज्ञान में नहीं आई ।
3. समरेखन क्षेत्र की भूर्गीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(I) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

(II) मार्ग के आरम्भ में टेक ऑफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानी पूर्वक बनाया जायें।

(III) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जाये।

(IV) तीव्र ढ़लान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स को avoid किया जाना चाहिये।

(V) समरेखन के आरम्भिक भाग में पहाड़ के एक ही ढलान पर बैण्ड्स होने के कारण मार्ग की अनेक आर्म्स एक दूसरे के ऊपर हो जायेगी। ऐसे भाग में मार्ग पर विशेष अनुरक्षण एवं सुरक्षात्मक कार्यों की आवश्यकता हो सकती हैं।

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड,लो.नि.वि.

(VI)समरेखन के समीप स्थित ग्राम जयद्वार के घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुए बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(VII)जहां मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वॉल का निर्माण कराया जाये।

(VIII)वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन, स्कपर एवं अन्य कास ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जाये।

(IX)कटिंग के दौरान निकले हुये मैटेरियल को पूर्व निर्धारित dumpyard में डाला जाये। खड्ड साईड में फैंकने से भूक्षरण की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

(X) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4. जयद्वार–तियाड़ा–फलपट्टी मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 12.00 कि.मी. लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:–

भूमि हस्तान्तरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

H.Kumar 1.12.17
(हर्ष कुमार),
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0),
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड, लो.नि.वि.
थत्यूड़

Photocopy Attested

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0
थत्यूड़ (टिहरी गढ़वाल)